



HUMAN RIGHTS DAY

10 December 2018

Message of UN Secretary-General António Guterres

For 70 years, the Universal Declaration of Human Rights has been a global beacon – shining a light for dignity, equality and well-being ... and bringing hope to dark places.

The rights proclaimed in the Declaration apply to everyone -- no matter our race, belief, location or other distinction of any kind.

Human rights are universal and eternal.

They are also indivisible. One cannot pick and choose among civil, political, economic, social and cultural rights.

Today we also honour the human rights defenders risking their lives to protect people in the face of rising hatred, racism, intolerance and repression.

Indeed, human rights are under siege around the world.

Universal values are being eroded. The rule of law is being undermined.

Now more than ever, our shared duty is clear:

Let us stand up for human rights -- for everyone, everywhere.





मानवाधिकार दिवस

10 दिसंबर 2018

संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंटोनियो गुटेरेस का संदेश

70 वर्षों से सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणापत्र दुनिया में एक मशाल के समान प्रकाश फैला रहा है- गरिमा, समानता और जन कल्याण का प्रकाश... और गहरे अंधेरो में आशा का संचार कर रहा है।

घोषणापत्र में उल्लिखित अधिकार सभी के हिस्से आते हैं- चाहे हमारी जाति, विचारधारा या क्षेत्र कोई भी हो या हमारी कोई दूसरी विशिष्टता हो।

मानवाधिकार सार्वभौमिक और सनातन होते हैं।

वे अविभाज्य भी होते हैं। हम नागरिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक, इनमें से किसी एक अधिकार को नहीं चुन सकते। चूंकि ये सभी जरूरी हैं।

आज हम मानवाधिकार रक्षकों का भी सम्मान कर रहे हैं जो नफरत, रंगभेद, असहनशीलता और दमन के शिकार लोगों को बचाने के लिए अपनी जान दांव पर लगाते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि दुनिया भर में मानवाधिकारों पर संकट मंडरा रहा है।

सार्वभौमिक मूल्यों का नाश हो रहा है। कानून व्यवस्था कमजोर हो रही है।

हमारा साझा दायित्व पहले से भी अधिक स्पष्ट है:

आओ हम मानवाधिकारों के लिए खड़े हो- प्रत्येक व्यक्ति के लिए, प्रत्येक स्थान पर।
